# संस्कृति

Question 1.
मनीषियों की क्या देन रही है?
(a) सभ्यता का कुछ हिस्सा
(b) समृद्ध समाज
(c) प्रगतिशील देश
(d) मौलिक विचार

▼ Answer

Answer: (a) सभ्यता का कुछ हिस्सा
सभ्यता का कुछ हिस्सा मनीषियों की देन रहा है।

---

Question 2.
असंस्कृति का क्या परिणाम होता है?
(a) समाज का विघटन
(b) मनुष्य का विनाश
(c) विनाशकारी परंपराएँ
(d) उपर्युक्त सभी

▼ Answer

Answer: (d) उपर्युक्त सभी
सभी कथन सत्य हैं।

---

Question 3.
असभ्यता किसे कहा गया है?
(a) अच्छे-अच्छे आविष्कार
(b) मनुष्य द्वारा जुटाए गए आत्म-विनाश के साधन
(c) असभ्यता सभ्यता का ही अंश है
(d) इनमें से कोई नहीं

▼ Answer

Answer: (b) मनुष्य द्वारा जुटाए गए आत्म-विनाश के साधन
मनुष्य द्वारा जुटाए गए आत्म-विनाश के साधनों को।

---

Question 4.
संस्कृति पाठ में 'न्यूटन' को क्या कहा गया है?
(a) एक वैज्ञानिक
(b) दिशा दिखाने वाला
(c) संस्कृत मानव
(d) आदि मानव

▼ Answer

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer: (c) संस्कृत मानव।

---

Question 5.
संस्कृति कब असंस्कृति में बदल जाती है?
(a) कल्याण की भावना से नाता टूटने पर
(b) पुरानी पड़ने पर
(c) धर्म परिवर्तन होने पर
(d) ईश्वर की भक्ति न करने पर

▼ Answer

Answer: (a) कल्याण की भावना से नाता टूटने पर।

---

Question 6.
संस्कृति की छीछालेदर कब होती है ?
(a) किसी जाति विशेष के साथ जोड़ने पर
(b) दूसरी जाति को हीन बताने पर
(c) दूसरों को मरने-मारने के लिए तैयार हो जाने पर
(d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं

▼ Answer

Answer: (d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं
सभी कथन सत्य हैं।

---

Question 7.
मनीषियों से मिलने वाला ज्ञान किसका परिचायक है?
(a) हमारी उन्नति का
(b) देश के विकास का
(c) मानव कल्याण का
(d) उपर्युक्त सभी का

▼ Answer

Answer: (d) उपर्युक्त सभी का
सभी कथन सत्य हैं।

---

Question 8.
'यथोचित' सामासिक पद में कौन-सा समास है?
(a) तत्पुरुष समास
(b) द्विगु समास
(c) बहुव्रीहि समास
(d) अव्ययीभाव समास

▼ Answer

Answer: (d) अव्ययीभाव समास
अव्ययीभाव समास; क्योंकि इस सामासिक पद में पहला पद अव्यय है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Question 9.
भदंत आनंद कौसल्यायन का जन्म कब और कहाँ हुआ था?
(a) नेपाल के कपिलवस्तु नामक स्थान पर सन् 1905
(b) अंबाला के सोहाना गाँव में सन् 1905 में
(c) मथुरा में सन् 1915 में
(d) वाराणसी में सन् 1905 में

▼ Answer

Answer: (b) अंबाला के सोहाना गाँव में सन् 1905 में।

---

Question 10.
संस्कृत व्यक्ति से लेखक का क्या तात्पर्य है ?
(a) संस्कृत पढ़ा लिखा व्यक्ति
(b) संस्कृति को मानने वाला व्यक्ति
(c) नई चीज खोज करने वाला व्यक्ति
(d) किसी वस्तु को सुधार कर उत्कृष्ट बनाने वाला व्यक्ति

▼ Answer

Answer: (c) नई चीजों की खोज करने वाल व्यक्ति।

---

Question 11.
आग के आविष्कार के पीछे क्या प्रेरणा रही है?
(a) पेट की आग को शांत करने की
(b) अँधेरा दूर भगाने की
(c) सर्दी दूर करने की
(d) जंगली जानवरों को भगाने की

▼ Answer

Answer: (a) पेट की आग को शांत करने की।

---

Question 12.
सुई-धागे का आविष्कार क्यों हुआ होगा?
(a) कपड़े सीने के लिए
(b) शरीर ढकने एवं सर्दी से बचने के लिए
(c) पेट की आग शांत करने के लिए
(d) घर बनाने के लिए

▼ Answer

Answer: (b) शरीर को ढकने एवं सर्दी दूर करने के लिए।

---

Question 13.
सभ्यता का क्या अर्थ है?
(a) सबके साथ प्यार से रहना

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(b) सबका आदर करना
(c) आदर्शवादी बनकर रहना
(d) संस्कृति द्वारा किए गए आविष्कार तथा अपने एवं दूसरों कि लिए आविष्कृत वस्तुएँ सभ्यता कहलाती

▼ Answer

Answer: (d) संस्कृति द्वारा किए गए आविष्कार तथा अपने एवं दूसरों कि लिए आविष्कृत वस्तुएँ सभ्यता कहलाती
संस्कृति द्वारा किए गए आविष्कार।

---

Question 14.
पेट भर और तन ढका होने पर भी कौन सो नहीं पाता?
(a) संस्कृत व्यक्ति
(b) बीमार व्यक्ति
(c) बेचैन व्यक्ति
(d) निन्यानवे के फेर में पड़ा व्यक्ति

▼ Answer

Answer: (a) संस्कृत व्यक्ति
संस्कृत व्यक्ति पेट भरा और तन ढका होने पर भी नहीं सो सकता।

---

Question 15.
मनीषियों किन्हें कहा गया है?
(a) साहित्यकारों को
(b) धार्मिक नेताओं को
(c) जो विद्वान किसी तथ्य विशेष को भौतिक आवश्यकताओं के लिए नहीं बल्कि अपनी जिज्ञासाओं को शांत करने के लिए खोजते हैं
(d) उपर्युक्त में से कोई कथन सत्य नहीं है

▼ Answer

Answer: (c) जो विद्वान किसी तथ्य विशेष को भौतिक आवश्यकताओं के लिए नहीं बल्कि अपनी जिज्ञासाओं को शांत करने के लिए खोजते हैं
जो विद्यमान विभिन्न तथ्यों को अपनी जिज्ञासा शांत करने के लिए खोजता है।

---

## गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

(1)

जो शब्द सबसे कम समझ में आते हैं और जिनका उपयोग होता है सबसे अधिक; ऐसे दो शब्द हैं सभ्यता और संस्कृति। इन दो शब्दों के साथ जब अनेक विशेषण लग जाते हैं, उदाहरण के लिए जैसे भौतिक-सभ्यता और आध्यात्मिक-सभ्यता, तब दोनों शब्दों का जो थोड़ा बहुत अर्थ समझ में आया रहता है, वह भी गलत- सलत हो जाते हैं। क्या यह एक ही चीज़ है अथवा दो वस्तुएँ ? यदि दो हैं तो दोनों में क्या अंतर है? हम इसे अपने तरीके पर समझने की कोशिश करें।
कल्पना कीजिए उस समय की जब मानव समाज का अग्नि देवता से साक्षात् नहीं हुआ था। आज तो घर-घर चूल्हा जलता है। जिस आदमी ने पहले-पहल आग का आविष्कार किया होगा, वह कितना बड़ा आविष्कर्ता होगा!
अथवा कल्पना कीजिए उस समय की जब मानव को सुई-धागे का परिचय न था, जिस मनुष्य के दिमाग में पहले-पहल बात आई होगी कि लोहे के एक टुकड़े को घिसकर उसके एक सिरे को छेदकर और छेद में धागा पिरोकर कपड़े के दो टुकड़े एक साथ जोड़े जा सकते हैं, वह भी कितना बड़ा आविष्कर्ता रहा होगा!

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Question 1.
कौन-से शब्द सबसे अधिक उपयोग होते हैं ?
(a) सभ्यता
(b) संस्कृति
(c) सभ्यता और संस्कृति
(d) भौतिक सभ्यता

▼ Answer

Answer: (c) सभ्यता और संस्कृति।

---

Question 2.
सभ्यता और संस्कृति क्या है?
(a) दोनों एक ही चीज़ हैं
(b) दोनों अलग-अलग हैं
(c) दोनों में कोई संबंध नहीं
(d) दोनों में गहरा संबंध है |

▼ Answer

Answer: (d) दोनों में गहरा संबंध है।

---

Question 3.
लेखक ने बड़ा आविष्कर्ता किसे माना है?
(a) सभ्यता का विकास करने वाले को
(b) आग का अविष्कार करने वाले और सुई-धागे का आविष्कार करने वाले को
(c) आधुनिक विज्ञान के आविष्कर्ता को
(d) चाँद पर पहुँचने वाले को |

▼ Answer

Answer: (b) आग का आविष्कार करने वाले और सुई-धागे का आविष्कार करने वाले को

---

Question 4.
भौतिक सभ्यता का सम्बंध किससे है?
(a) धर्म से
(b) हमारे रहन-सहन व खान पान से
(c) हमारे भूतकाल से
(d) हमारे भविष्य से

▼ Answer

Answer: (b) हमारे रहन-सहन व खान पान से।

---

Question 5.
लेखक ने सुई बनाने वाले को बड़ा आविष्कर्ता क्यों माना
(a) क्योंकि तब से मनुष्य सर्दी से बचाव करना सीख गया
(b) क्योंकि किसी ने सुई नहीं बनाई थी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(c) सुई बनाना बहुत बड़ा आविष्कार था
(d) सुई बनाने वाले को बड़ा आविष्कर्ता कहा जाता है

▼ Answer

Answer: (a) क्योंकि तब से मनुष्य सर्दी से बचाव करना सीख गया।

---

(2)

एक संस्कृत व्यक्ति किसी नयी चीज़ की खोज करता है; किंतु उसकी संतान को वह अपने पूर्वज से अनायास ही प्राप्त हो जाती है। जिस व्यक्ति की बुद्धि ने अथवा उसके विवेक ने किसी भी नए तथ्य का दर्शन किया, वह व्यक्ति ही वास्तविक संस्कृत व्यक्ति है और उसकी संतान जिसे अपने पूर्वज से वह वस्तु अनायास ही प्राप्त हो गई है, वह अपने पूर्वज की भाँति सभ्य भले ही बन जाए, संस्कृत नहीं कहला सकता। एक आधुनिक उदाहरण लें। न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत का आविष्कार किया। वह संस्कृत मानव था। आज के युग का भौतिक विज्ञान का विद्यार्थी न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण से तो परिचित है ही; लेकिन उसके साथ उसे और भी अनेक बातों का ज्ञान प्राप्त है जिनसे शायद न्यूटन अपरिचित ही रहा। ऐसा होने पर भी हम आज के भौतिक विज्ञान के विद्यार्थी को न्यूटन की अपेक्षा अधिक सभ्य भले ही कह सकें पर न्यूटन जितना संस्कृत नहीं कह सकते।

Question 1.
संस्कृत व्यक्ति कौन है?
(a) जो संस्कृत बोलता है
(b) जो सभ्य होता है
(c) जो किसी नयी चीज़ की खोज करता है
(d) जो सदा सत्य बोलता है

▼ Answer

Answer: (c) जो किसी नयी चीज़ की खोज करता है।

---

Question 2.
अपने पूर्वजों से अनायास ही कुछ प्राप्त करने वाला व्यक्ति क्या कहलाता है?
(a) संस्कृत व्यक्ति
(b) सभ्य व्यक्ति
(c) संभ्रांत व्यक्ति
(d) विद्वान

▼ Answer

Answer: (b) सभ्य व्यक्ति।

---

Question 3.
गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत का आविष्कार किसने किया?
(a) ग्राहम वैल ने
(b) आइंसटाइन ने
(c) न्यूटन ने
(d) जगदीश चन्द्र बोस ने

▼ Answer

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer: (c) न्यूटन ने।

---

Question 4.
भौतिक विज्ञान के विद्यार्थी न्यूटन जितने संस्कृत क्यों नहीं हो सकते ?
(a) न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत का आविष्कार किया
(b) भौतिक विज्ञान के विद्यार्थियों ने उसे आगे बढ़ाया
(c) आविष्कर्ता ही संस्कृत व्यक्ति होता है
(d) सभी कथन सत्य हैं

▼ Answer

Answer: (d) सभी कथन सत्य हैं।

---

Question 5.
संस्कृति में इक प्रत्यय जोड़कर नया शब्द बनाइए?
(a) संस्कृतिक
(b) सांस्कृतिक
(c) सांस्कृतीक
(d) संस्कारित

▼ Answer

Answer: (b) सांस्कृतिक।

---

(3)

आग के आविष्कार में कदाचित पेट की ज्वाला की प्रेरणा एक कारण रही। सुई-धागे के आविष्कार में शायद शीतोष्ण से बचने तथा शरीर को सजाने की प्रवृत्ति का विशेष हाथ रहा। अब कल्पना कीजिए उस आदमी की जिसका पेट भरा है, जिसका तन ढका है, लेकिन जब वह खुले आकाश के नीचे सोया हुआ रात के जगमगाते तारों को देखता है, तो उसको केवल इसलिए नींद नहीं आती क्योंकि वह यह जानने के लिए परेशान है कि आखिर यह मोती भरा थाल क्या है? पेट भरने और तन ढकने की इच्छा मनुष्य की संस्कृति की जननी नहीं है। पेट भरा और तन ढका होने पर भी ऐसा मानव जो वास्तव में संस्कृत है, निठल्ला नहीं बैठ सकता। हमारी सभ्यता का एक बड़ा अंश हमें ऐसे संस्कृत आदमियों से ही मिला है, जिनकी चेतना पर स्थूल भौतिक कारणों का प्रभाव प्रधान रहा है, किंतु उसका कुछ हिस्सा हमें मनीषियों से भी मिला है जिन्होंने तथ्य-विशेष को किसी भौतिक प्रेरणा के वशीभूत होकर नहीं, बल्कि उनके अपने अंदर की सहज संस्कृति के ही कारण प्राप्त किया है। रात के तारों को देखकर न सो सकने वाला मनीषी हमारे आज के ज्ञान का ऐसा ही प्रथम पुरस्कर्ता था।

Question 1.
आग के आविष्कार के लिए क्या प्रेरणा रही होगी?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- पेट की ज्वाला को शांत करना
- शीत से बचना।

---

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Question 2.
जो व्यक्ति पेट भरा होने पर भी चैन से नहीं सो सकता उसे आप क्या कहेंगे?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- जिज्ञासु
- कुछ नया जानने की इच्छा रखने वाला।

---

Question 3.
कौन व्यक्ति निठल्ला नहीं बैठ सकता?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- जो संस्कृत व्यक्ति है
- जिसके मन में जिज्ञासा

---

Question 4.
संस्कृत व्यक्ति क्या करते हैं ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- नई चीजों का आविष्कार करते हैं
- जिससे हमारी सभ्यता आगे बढ़ती है।

---

Question 5.
हमारा प्रथम आविष्कर्ता कौन था?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- पेट भरा होने पर भी रात को न सो सकने वाला व्यक्ति
- तारों को देखकर कुछ करने की सोचने वाल व्यक्ति।

---

Question 6.
कौन-सी इच्छाएँ संस्कृति की जननी हैं और कौन-सी नहीं?

▼ Answer

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:
संकेत-

- रात को तारों भरे आकाश को देखकर जब मन में जिज्ञासा उत्पन्न होती है कि यह मोतियों भरा थाल क्या है
- तन ढकने और पेट भरने की इच्छा संस्कृति की जननी नहीं हो सकती

---

(4)

हमारी समझ में मानव संस्कृति की जो योग्यता आग व सुई-धागे का आविष्कार कराती है; वह भी संस्कृति है जो तारों की जानकारी कराती है, वह भी है; और जो योग्यता किसी महामानव से सर्वस्व त्याग कराती है, वह भी संस्कृति है।
और सभ्यता? सभ्यता है संस्कृति का परिणाम। हमारे खाने-पीने के तरीके, हमारे ओढ़ने-पहनने के तरीके, हमारे गमनागमन के साधन, हमारे परस्पर कट मरने के तरीके; सब हमारी सभ्यता हैं। मानव की जो योग्यता उससे आत्म-विनाश के साधनों का आविष्कार कराती है, हम उसे उसकी संस्कृति कहें या असंस्कृति? और जिन साधनों के बल पर वह दिन-रात आत्म-विनाश में जुटा हुआ है, उन्हें हम उसकी सभ्यता समझें या असभ्यता? संस्कृति का यदि कल्याण की भावना से नाता टूट जाएगा तो वह असंस्कृति होकर ही रहेगी और ऐसी संस्कृति का अवश्यंभावी परिणाम असभ्यता के अतिरिक्त दूसरा क्या होगा?
संस्कृति के नाम से जिस कूड़े-करकट के ढेर का बोध होता है, वह न संस्कृति है न रक्षणीय वस्तु। क्षण-क्षण परिवर्तन होने वाले संसार में किसी भी चीज़ को पकड़कर बैठा नहीं जा सकता। मानव ने जब-जब प्रज्ञा और मैत्री भाव से किसी नए तथ्य का दर्शन किया है तो उसने कोई वस्तु नहीं देखी है, जिसकी रक्षा के लिए दलबंदियों की ज़रूरत है।
मानव संस्कृति एक अविभाज्य वस्तु है और उसमें जितना अंश कल्याण का है, वह अकल्याणकर की अपेक्षा श्रेष्ठ ही नहीं, स्थायी भी है।

Question 1.
संस्कृति क्या है?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- जो योग्यता सुई-धागे का आविष्कार कराती है
- जो योग्यता तारों की जानकारी कराती है
- जो महामानव से सर्वस्व त्याग कराती है |

---

Question 2.
सभ्यता क्या है?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- सभ्यता संस्कृति का परिणाम है
- हमारे खाने-पीने, ओढ़ने-पहनने, आवगमन, मरने-कटने के तरीके सभ्यता है।

---

Question 3.
अपसंस्कृति किसे कहना चाहिए ?

▼ Answer

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:
संकेत-

- जोयोग्यता आत्मविनाश के साधनों का आविष्कार कराती है
- जो योग्यता सभ्यता के विनाश पर उतारू है।

---

Question 4.
हमें कैसी संस्कृति से दूर रहना है ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- जिस संस्कृति से कूड़े-करकट के ढेर का बोध होता हो
- जिसमें किसी का हित निहित न हो।

---

Question 5.
संस्कृति क्या है?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- संस्कृति एक अविभाज्य वस्तु है
- इसकी रक्षा के लिए दलबंदियों की आवश्यकता नहीं होती
- उसमें कल्याण का रस स्थाई रहने वाला है

---

(5)

भौतिक प्रेरणा, ज्ञानेप्सा-क्या ये दो ही मानव संस्कृति के माता-पिता हैं? दूसरे के मुँह में कौर डालने के लिए जो अपने मुँह का कौर छोड़ देता है, उसको यह बात क्यों और कैसे सूझती है? रोगी बच्चे को सारी रात गोद में लिए जो माता बैठी रहती है, वह आखिर ऐसा क्यों करती है? सुनते हैं कि रूस का भाग्यविधाता लेनिन अपनी डैस्क में रखे हुए डबल रोटी के सूखे टुकड़े स्वयं न खाकर दूसरों को खिला दिया करता था। वह आखिर ऐसा क्यों करता था? संसार के मजदूरों को सुखी देखने का स्वप्न देखते हुए कार्ल मार्क्स ने अपना सारा जीवन दुख में बिता दिया। और इन सबसे बढ़कर आज नहीं, आज से ढ़ाई हजार वर्ष पूर्व सिद्धार्थ ने अपना घर केवल इसलिए त्याग दिया कि किसी तरह तृष्णा के वशीभूत लड़ती-कटती मानवता सुख से रह सके।

Question 1.
सही अर्थों में मानव संस्कृति के माता-पिता कौन हैं ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- जिन में त्याग की भावना है
- जो अपने सुखों से पहले दूसरों को सुखी देखना चाहते हैं।

---

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Question 2.
रोगी बच्चे को सारी रात गोद में लिए बैठी माता आखिर ऐसा क्यों करती है?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- उसमें त्याग की भावना है
- वह अपने सुखों से बढ़कर दूसरों के सुखों को मानती है
- वह अपने बच्चे को दुःखी नहीं देखना चाहती।

---

Question 3.
लेखक ने लेनिन की क्या विशेषता बताई है?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- लेनिन दूसरों के लिए जीता था
- वह किसी को भूखा नहीं देख सकता था

---

Question 4.
कार्ल मार्क्स का जीवन कैसा रहा?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- उनका जीवन दुःखों से भरा रहा
- उन्होंने दूसरों को सुखी बनाने के लिए काम किया

---

Question 5.
गौतम बुद्ध ने अपना घर क्यों त्याग दिया?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- ताकि मानवता के कल्याण के लिए कुछ कर सकें
- मानव को सुखी बना सकें।

---

बोधात्मक-प्रश्न

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Question 1.
पेट भरा होने के बाद मनुष्य जगमगाते तारों को देखने के बाद क्यों नहीं सो पाता?

▼ Answer

Answer:
संकेत बिंदु :

- उसके मन में जिज्ञासा है
- वह जानना चाहता है कि आखिर यह मोतियों से भरा थाल क्या है
- अज्ञात रहस्य की खोज उसे बेचैन कर देती है।

---

Question 2.
मानव संस्कृति अविभाज्य वस्तु कैसे है?

▼ Answer

Answer:
संकेत बिंदु :

- संस्कृति की जड़ में संकीर्ण भावनाओं का कोई स्थान नहीं है
- संस्कृति सदा ही कल्याणकारी होती है
- कल्याणकारी वस्तु विभाजन पैदा नहीं करती।

---

Question 3.
अपसंस्कृति क्या है?

▼ Answer

Answer:
संकेत बिंदु :

- जब संस्कृति का कल्याणकारी भावनाओं से संबंध टूट जाता है
- संस्कृति का विकृत रूप अपसंस्कृति है
- जब कल्याणकारी भावनाएँ समाप्त हो जाएँ।

---

Question 4.
वास्तविक संस्कृत व्यक्ति कौन होता है?

▼ Answer

Answer:
संकेत बिंदु :

- जब कोई कल्याणकारी आविष्कार करे
- जो किसी नए तथ्य के दर्शन कराए

---

Question 5.
कोई मनुष्य आविष्कार कब करता है?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

▼ Answer

Answer:
संकेत बिंदु :

- अपनी ज्ञान पिपासा को शांत करने के लिए
- किसी भौतिक.प्रेरणा से।

---

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in